



पूर्वोत्तर राज्य अन्य राज्यों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं- डॉ. जितेन्द्र सिंह

Posted On: 22 SEP 2017 7:36PM by PIB Delhi

पूर्वोत्तर विकास (स्व तंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्षविभाग में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि पूर्वोत्तर र राज्यय अन्यम राज्यों का प्रशस्तर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तरदर द्वारा की गई पहल और सफल अनुभव से दूसरे पर्वतीय राज्योंा- जम्मू कश्मी र, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को नया आयाम मिल सकता है। कल आईजोल में मिजोरम विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय, सतत पर्वतीय विकास सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत के अन्यव राज्योंर को पूर्वोत्तर राज्योंआ से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में मिजोरम का उदाहरण दिया जा सकता है, जहां यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि एक छोटा राज्या होने के बावजूद जिसके गठन को सिर्फ 30 वर्ष हुए हैं और जिसकी जनसंख्या मात्र 10 लाख से अधिक है। ऐसे मिजोरम राज्यठ में साक्षरता की दर बहुत अधिक है। यह दर केरल के बाद सर्वाधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि मिजोरम में चार पर्वतीय जिलों में राज्यक की 50 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। यहां न्यूय लैंड यूज पॉलिसी सफलतापूर्वक आरंभ की गई है। इसके तहत किसानों को वैकल्पिक भूमि प्रदान की गई है, जहां वे अन्यई व्या वसायिक गतिविधियां जैसे –बागवानी, रेश्म कीट पालन, बांस की खेती आदि सफलतापूर्वक कर रहे हैं। उन्होंने नई आर्थिक विकास नीति आरंभ करने के लिए भी मिजोरम की सराहना की।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि जल्दा ही पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में हैलिकाप्टर, एयर क्लिनिक सुविधा मुहैया कराई जाएगी, जिसमें ओपीडी की सुविधा भी होगी। यह देश में अपनी तरह का पहला स्वाटस्क्ा देखभाल का अनुभव होगा, जो पूर्वोत्तर राज्योंा में आरंभ किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीकर जैसे राज्यों के लिए भी इस सेवा को शुरू किया जाएगा।

वीके/आरएन-3894

(Release ID: 1503797) Visitor Counter : 8

